मदवि में कार्यक्रम में बोले कुलपति प्रो. राजबीर सिंह

कर्मियों को दिए उत्कृष्टता के टिप्स, शैक्षणिक माहौल अच्छा बनाने का किया आह्वान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

शिक्षण संस्थानों के विकास में शिक्षकों का महत्वपूर्ण योगदान होता है। शिक्षकों की उत्कृष्टता ही शिक्षण संस्थानों की उत्कृष्टता को परिलक्षित करती है। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के शिक्षकों से शैक्षणिक तथा शोध उत्कृष्टता के लिए प्रयास करने का आह्वान सोमवार को कुलपति प्रो. राजबीर सिंह ने किया। वीसी ने फैकल्टी डेवलपमेंट सेंटर में आईक्यूएसी तथा एडमिनिस्ट्रेटीव स्टाफ कालेज द्वारा आयोजित कॅरियर एडवांसमेंट स्कीम के नए दिशा-निर्देश संबंधित संवेदीकरण कार्यक्रम में विश्वविद्यालय शिक्षकों को संबोधित किया। सकारात्मक माहौल में ही शैक्षणिक विकास संभव है। ऐसे में विवि शिक्षकों की पदोन्नति के लिए प्रतिबद्ध है।

रोहतक। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कुलपति प्रो. राजबीर सिंह।

शिक्षकों से पूरी योगदान देने को कहा

कार्यक्रम में डीन, एकेडमिक एफेयर्स प्रो. सुरेंद्र कुमार ने शिक्षकों से पूरी मेहनत के साथ कार्य कर विश्वविद्यालय विकास में योगदान देने को कहा। एमडीयू रजिस्ट्रार प्रो. गुलशन लाल तनेजा ने प्रशिक्षक पदोन्नति सीएएस बारे विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने कहा कि टीचिंग, लर्निंग, इवैल्यूशन के साथ-साथ शिक्षकों को स्टूडेंट्स के पर्सनल डेवलपमेंट, प्रशासनिक कार्यों में भागीदारिता तथा पाठ्येतर गतिविधियों में सहभागिता रखनी होगी। पदोन्नति के लिए पूरे स्टेज्स की जानकारी रजिस्ट्रार ने दी।

MDU Official Facebook page 28.08.2023

Maharshi Dayanand University Rohtak
2 d ·

रोहतक, 28 अगस्त। शिक्षण संस्थानों के विकास में शिक्षकों का महत्त्वपूर्ण योगदान होता है। शिक्षकों की उत्कृष्टता ही शिक्षण संस्थानों की उत्कृष्टता को परिलक्षित करती है। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के शिक्षकों से शैक्षणिक तथा शोध उत्कृष्टता के लिए भागीरथी प्रयास करने का आह्वान आज कुलपति प्रो. राजबीर सिंह ने किया।

कुलपति प्रो. राजबीर सिंह ने एमडीयू के फैकल्टी डेवलपमेंट सेंटर में आईक्यूएसी तथा एडमिनिस्ट्रेटीव स्टाफ कालेज द्वारा आयोजित कॅरियर एडवांसमेंट स्कीम के नए दिशा-निर्देश संबंधित संवेदीकरण कार्यक्रम में विश्वविद्यालय शिक्षकों को संबोधित किया। कुलपति ने कहा कि सकारात्मक माहौल में ही शैक्षणिक विकास संभव है। ऐसे में विश्वविद्यालय प्रशासन विश्वविद्यालय शिक्षकों की पदोन्नति तथा अन्य कल्याण कार्यों के लिए प्रतिबद्ध है। पर शिक्षकों को भी यूजीसी तथा हरियाणा सरकार के सीएएस संबंधित मानकों को गंभीरता से पूरा करना होगा।

कार्यक्रम में डीन, एकेडमिक एफेयर्स प्रो. सुरेन्द्र कुमार ने शिक्षकों से पूरी मेहनत के साथ कार्य कर विश्वविद्यालय विकास में योगदान देने को कहा।

एमडीयू रजिस्ट्रार प्रो. गुलशन लाल तनेजा ने प्रशिक्षक पदोन्नति सीएएस बारे विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने कहा कि टीचिंग, लर्निंग, इवैल्यूशन के साथ-साथ शिक्षकों को स्टूडेंट्स के पर्सनल डेवलपमेंट, प्रशासनिक कार्यों में भागीदारिता तथा पाठ्येतर गतिविधियों में सहभागिता रखनी होगी। पदोन्नति के लिए पूरे स्टेज्स की जानकारी रजिस्ट्रार ने दी।

डीन, कालेज डेवलपमेंट काउंसिल प्रो. ए.एस. मान ने पदोन्नति हेतु निर्धारित प्रोफार्मा के मापदंडों बारे विस्तारपूर्वक बताया। पदोन्नति हेतु विभिन्न कार्यों के दस्तावेजीकरण का महत्त्व प्रो. मान ने समझाया। आभार प्रदर्शन एडमिनिस्ट्रेटीव स्टाफ कालेज के कोआर्डिनेटर डा. अनार सिंह ढुल ने किया। प्रारंभिक उद्घोषणा तथा मंच संचालन एएससी के डिप्टी कोआर्डिनेटर नितिन सिवाच ने किया। निदेशक आईक्यूएसी प्रो. बी. नरसिम्हन समेत विश्वविद्यालय के प्राध्यापकगण इस अवसर पर उपस्थित रहे।

पंजाब केसरी 30.08.2023

सकारात्मक माहौल में ही शैक्षणिक विकास संभव : कुलपति

कार्यक्रम में अपने विचार रखते कुलपति प्रो. राजबीर सिंह।

रोहतक, 29 अगस्त (संजीव): शिक्षण संस्थानों के विकास में शिक्षकों का महत्वपूर्ण योगदान होता है। शिक्षकों की उत्कृष्टता ही शिक्षण संस्थानों की उत्कृष्टता को परिलक्षित करती है। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के शिक्षकों से शैक्षणिक तथा शोध उत्कृष्टता के लिए भागीरथी प्रयास करने का आह्वान कुलपति प्रो. राजबीर सिंह ने किया।

उन्होंने एम.डी.यू. के फैकल्टी डिवैल्पमैंट सैंटर में आई.क्यू.ए.सी. तथा एडमिनिस्ट्रेटिव स्टाफ कॉलेज द्वारा आयोजित करियर एडवांसमैंट स्कीम के नए दिशा-निर्देश संबंधित संवेदीकरण कार्यक्रम में विश्वविद्यालय शिक्षकों को संबोधित किया।

कुलपति ने कहा कि सकारात्मक माहौल में ही शैक्षणिक विकास संभव है। ऐसे में विश्वविद्यालय प्रशासन विश्वविद्यालय शिक्षकों की पदोन्नति तथा अन्य कल्याण कार्यों के लिए प्रतिबद्ध है।

वहीं शिक्षकों को भी यू.जी.सी. तथा हरियाणा सरकार के सी.ए.एस. संबंधित मानकों को गंभीरता से पूरा करना होगा। कार्यक्रम में डीन, एकैडमिक अफेयर्स प्रो. सुरेन्द्र कुमार ने शिक्षकों से पूरी मेहनत के साथ कार्य कर विश्वविद्यालय विकास में योगदान देने को कहा।

एम.डी.यू. रजिस्ट्रार प्रो. गुलशन लाल तनेजा ने प्रशिक्षक पदोन्नति सी.ए.एस. बारे विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने कहा कि टीचिंग, लर्निंग, इवैल्यूशन के साथ-साथ शिक्षकों को स्टूडैंट्स के पर्सनल डिवैल्पमैंट, प्रशासनिक कार्यों में भागीदारिता तथा पाठ्येतर गतिविधियों में सहभागिता करनी होगी।

डीन, कॉलेज डिवैल्पमैंट काऊंसिल प्रो. ए.एस. मान ने पदोन्नति हेतु निर्धारित प्रोफार्मा के मापदंडों बारे विस्तारपूर्वक बताया। इस अवसर पर निदेशक आई.क्यू.ए.सी. प्रो. बी. नरसिम्हन सहित विश्वविद्यालय के प्राध्यापकगण उपस्थित रहे।

L-1013-10,000

MAHARSHI DAYANAND UNIVERSITY ROHTAK

Public Relations Office

Name of the Publication दैनिक जागरण (रोहतक)

Date 29.8.2023 Page III Column 3-6

Subject सकारात्मक माहौल में ही शैक्षणिक विकास होना संभव : प्रो. राजबीर

सकारात्मक माहौल में ही शैक्षणिक विकास होना संभव : प्रो. राजबीर

एमडीयू में आईक्यूएसी और एडमिनिस्ट्रेटिव स्टाफ कालेज द्वारा संवेदीकरण कार्यक्रम आयोजित

रोहतक : एमडीयू में आयोजित कार्यक्रम में कुलपति प्रो. राजबीर सिंह को पौधा भेंट करते कुलसचिव प्रो. गुलशन तनेजा व अन्य प्राध्यापक।

रोहतक : एमडीयू में आयोजित किए गए कार्यक्रम के दौरान प्राध्यापकों को संबोधित करते हुए कुलपति प्रो. राजबीर सिंह।

जागरण संवाददाता, रोहतक : शिक्षण संस्थानों के विकास में शिक्षकों का महत्त्वपूर्ण योगदान होता है। शिक्षकों की उत्कृष्टता ही शिक्षण संस्थानों की उत्कृष्टता को परिलक्षित करती है।

महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के शिक्षकों से शैक्षणिक तथा शोध उत्कृष्टता के लिए भागीरथी प्रयास करने का आह्वान सोमवार को कुलपति प्रो. राजबीर सिंह ने किया।

प्रो. राजबीर सिंह ने एमडीयू के फैकल्टी डेवलपमेंट सेंटर में आईक्यूएसी तथा एडमिनिस्ट्रेटिव स्टाफ कालेज द्वारा आयोजित करियर एडवांसमेंट स्कीम के नए दिशा-निर्देश संबंधित संवेदीकरण कार्यक्रम में विश्वविद्यालय शिक्षकों को संबोधित किया।

प्रदेश सरकार के सीएएस संबंधित मानकों को गंभीरता से पूरा करें : कुलपति ने कहा कि सकारात्मक माहौल में ही शैक्षणिक विकास संभव है। ऐसे में विश्वविद्यालय प्रशासन विश्वविद्यालय शिक्षकों की पदोन्नति तथा अन्य कल्याण कार्यों के लिए प्रतिबद्ध है। शिक्षकों को भी यूजीसी तथा हरियाणा सरकार के सीएएस संबंधित मानकों को गंभीरता से पूरा करना होगा। कार्यक्रम में डीन, एकेडमिक एफेयर्स प्रो. सुरेन्द्र कुमार ने शिक्षकों से पूरी मेहनत के साथ कार्य कर विश्वविद्यालय विकास में योगदान देने को कहा।

एमडीयू रजिस्ट्रार प्रो. गुलशन लाल तनेजा ने प्रशिक्षक पदोन्नति सीएएस बारे विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने कहा कि टीचिंग, लर्निंग, इवैल्यूशन के साथ-साथ शिक्षकों को स्टूडेंट्स के पर्सनल डेवलपमेंट, प्रशासनिक कार्यों में भागीदारिता तथा पाठ्येतर गतिविधियों में सहभागिता रखनी होगी। पदोन्नति के लिए पूरे स्टेप्स की जानकारी रजिस्ट्रार ने दी। डीन, कालेज डेवलपमेंट काउंसिल प्रो. ए.एस. मान ने पदोन्नति हेतु निर्धारित प्रोफार्मा के मापदंडों बारे विस्तारपूर्वक बताया व इस पर अमल कराने को कहा। पदोन्नति हेतु विभिन्न कार्यों के दस्तावेजीकरण का महत्त्व प्रो. मान ने समझाया।

आभार प्रदर्शन एडमिनिस्ट्रेटीव स्टाफ कालेज के कोआर्डिनेटर डा. अनार सिंह ढुल ने किया। प्रारंभिक उद्घोषणा तथा मंच संचालन एएससी के डिप्टी कोआर्डिनेटर नितिन सिवाच ने किया। निदेशक आईक्यूएसी प्रो. बी. नरसिम्हन समेत विश्वविद्यालय के प्राध्यापकगण इस अवसर पर उपस्थित रहे।

MAHARSHI DAYANAND UNIVERSITY, ROHTAK

(A State University established under Haryana Act No. XXV of 1975)

A+' Grade University Accredited by NAAC

Cordial Invitation to Faculty Members for

SENSITIZATION PROGRAMME ON NEW GUIDELINES FOR CAS PROMOTIONS

Chief Guest

Prof. Rajbir Singh

Vice-Chancellor

Guest of Honour

Prof. Surendra Kumar

Dean academic Affairs

Speakers

Prof. A.S. Maan, Convenor

Internal Screening Committee,
(For promotion of Teachers under CAS)

Prof. Gulshan Lal Taneja

Registrar

28th August, 2023 at 3.00PM

Organised by: Internal Quality Assurance Cell (IQAC) and Administrative Staff College (ASC)

Prof. Narasimhan B.
Director, IQAC

Dr. Anar Singh Dhull
Co-ordinator, ASC

Bisleri
Bisleri

RIKON
Bisleri

PULL

MAHARSHI DAYANAND UNIVERSITY, ROHTAK
SENSITIZATION PROGRAMME ON
NEW GUIDELINES FOR CAS PROMOTIONS

Bisleri